†**مولانا عبیداللہ خاں اعظمی:** سر۔ میں آپکے ذریعہ یہ کہنا چاہتا ہوں کہ چاہے مندر دھوست کرنے والے ہوں اور چاہے مسجد دھوست کرنے والے ہوں۔ دونوں کی مزمت کرنی چاہئے۔ دونوں ہی کام بہت ہی نندائک ہیں۔ جو لوگ اسطرح کی بھاونا رکھتے ہیں کہ مسجد دھوست کی جائے انکا بھی دھرم سے میرے خیال سے کوئی تعلق نہیں ہے۔ اب میں یہ سوال کرنا چاہتا ہوں کہ گجرات کے بارے میں آئی۔ ایس۔آئی کے سلسلے میں جو فکر مندی والی باتیں آئی ہیں۔ کیا منتری جی یہ بتانے کی کرپا کرینگے کہ گجرات میں اب تک آئی۔ایس۔آئی کے کتنے لوگ پکڑے جا چکے ہیں۔ وہ کہاں کہاں تھے۔

MR. CHAIRMAN: Question Hour is ewf.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

ग्रामीण आवास और गरीबी उन्मूलन योजनाएं

*344. **श्री राज मोहिन्दर सिंह :** क्या ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत छह माह के दौरान ग्रामीण आवास तथा गरीबी उन्मूलन संबंधी कतिपय योजनाएं तैयार करके सरकार को स्वीकृति के लिए प्रस्तुत की गई थी :

(ख) यदि हां, तो ये योजनांए कौन-कौन सी हैं तथा ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन पर कुल कितनों राशि व्यय किए जाने का प्रस्ताव है, और,

(ग) या इन योजनाओं को स्वीकृति दे दी गई है और यदि नहीं, तो विलंब के क्या कारण है ?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बाबा गौड़ा पाटील) : (क) से (ग) ग्रामीण आवास क्षेत्र में नई पहलें सरकार के विचाराधीन है । इन पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं :-

1. अव्यचहार्य कच्चा मकानों को अर्द्धपक्का/पक्का मकानों में बदलने के लिए इंदिरा आवास योजना (आई ए वाई) राशि में से 20% राशि आवंटित करने का प्रस्ताव ।

2. इंदिरा आवास योजना के अंतर्गत आंबटन मानदंड को बदलने का प्रस्ताव ।

3. इंदिरा आवास योजना के ऋण-सह-सब्सिडी घटक को प्राप्त करने का प्रस्ताव ।

4. ग्रामीण आवास और हैविटेट विकास के लिए अभिनव चरण चालू करने का प्रस्ताव।

5. ग्रामीण इमारत केन्द्र स्थापित करने के लिए सहायता का प्रस्ताव ।

6. ग्रामीण आवास के लिए राष्ट्रीय मिशन स्थापित करने का प्रस्ताव ।

7. ग्रामीण आवास और हैबिसेट विकास निगम स्थापति करने का प्रस्ताव

8. आवास और शहरी विकास निगम (हुडको) को इक्विटी सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव ।

गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के अंतर्गत कोई भी नई योजना नहीं बनाई गई हैं । तथापि स्वरोजगार कार्यक्रमों के पुनर्गठन और जिला ग्रामीण विकास एजेसियों के सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव है । ग्रामीण गरीब का पारिवारिक आय में सुधार करने और साथ ही निचले स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं और संसाधनों के अनुकूल डिजाइन के लचीलेपन के लिए एक निश्चित उद्देश्य के साथ ग्रामीण युवा स्व-रोजगार कार्यक्रम (ट्राइसेम), ग्रामीण कारीगरों को उन्नत औजार किटों की आपूर्ति (सिद्रा), गंगा कल्याण योजना और ग्रामीण महिला और बाल विकास (डवाकरा) को समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के साथ मिलाने का प्रस्ताव है । इसके अलावा जवाहर रोजगार योजना को सरल और कारगर बनाने का भी प्रस्ताव है ।

इन योजनाओं के संबंध में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है ।